

---

Shri Lakshminrisimha Manglashasanam

श्रीलक्ष्मीनृसिंह मङ्गलाशासनम्

Document Information

---

Text title : Laxmi Nrisimha Mangalashasanam

File name : lakShmInRRisiMhamanglAshAsanam.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, mangala, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Transliterated by : Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

Proofread by : Ganesh Kandu, NA, PSA Easwaran

Description/comments : shodhaganga thesis about Nrisimha cult Appendix 1

Latest update : July 13, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीलक्ष्मीनृसिंह मङ्गलाशासनम्




श्रीपराङ्कुशयोगीन्द्रशठारिप्रमुखान् गुरून् ।  
मङ्गलाशासनपरान् महिताननिशं भजे ॥ १ ॥  
जगज्जन्मादिलीलाय जगदानन्दहेतवे ।  
जगच्चक्षुर्निवासाय श्रीनृसिंहाय मङ्गलम् ॥ २ ॥  
हिरण्यस्तम्भसम्भूतिप्रख्यातपरमात्मने ।  
प्रह्लादार्तिमुषे ज्वालानरसिंहाय मङ्गलम् ॥ ३ ॥  
गरुडाद्रिगुहागेहे गजकुण्डसरस्तटे ।  
हिरण्यस्थाण्वहङ्कारहारिसिंहाय मङ्गलम् ॥ ४ ॥  
वारिजावारितभयैर्वाणीपतिमुखैस्सुरैः ।  
महिताय महोदारमालोलायास्तुमङ्गलम् ॥ ५ ॥  
वराहकुण्डे मेदिन्यै पाराहर्षप्रदायिने ।  
दन्तलग्नहिरण्याक्षदंष्ट्रसिंहाय मङ्गलम् ॥ ६ ॥  
गोभूहिरण्यनिर्विण्णगोखिलज्ञानदायिने ।  
प्रभञ्जन शुनासीर कारञ्जायास्तु मङ्गलम् ॥ ७ ॥  
भार्गवाख्यतपस्वीशभावनाभावितात्मने ।  
अक्षय्यतीर्थतीरस्थभार्गवायास्तु मङ्गलम् ॥ ८ ॥  
चतुराननचेतोऽञ्जचित्रभानुस्वरूपिणे ।  
वेदाद्रिगह्वरस्थाय योगानन्दाय मङ्गलम् ॥ ९ ॥  
हाहाहुह्वारख्यगन्धर्वनृत्तगीतहृतात्मने ।  
भवहन्तृतटच्छत्रवटसिंहाय मङ्गलम् ॥ १० ॥  
भारद्वाजमहायोगिमहापातकहारिणे ।  
तापनीयरहस्यार्थपावनायास्तु मङ्गलम् ॥ ११ ॥


श्रीशठारियतीन्द्रादियोगिहृत्पद्मभानवे ।  
सर्वत्र परिपूर्णायाहोबिलेशाय मङ्गलम् ॥ १२ ॥  
मङ्गलाशासनमिदं मानिवासमुनीरितम् ।  
महनीयं पठन् शृण्वन् मङ्गलायतसम्भवेत् ॥ १३ ॥  
इति श्रीलक्ष्मीनृसिंह मङ्गलाशासनं सम्पूर्णम् ।

Encoded by Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

Proofread by Ganesh Kandu, PSA Easwaran

---

——  
*Shri Lakshminrisimha Manglashasanam*  
pdf was typeset on December 22, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

